Poor condition of Shri Satbir Singh, A Kargil war veteran

श्री राम नाथ ठाकुरः सभापति जी, मैं आपके माध्यम से शून्य काल में गांव मुखमेलपुर, दिल्ली के रहने वाले कारगिल वार के वीर योद्धा, लांस नायक सतबीर सिंह की स्थिति के बारे में चर्चा करना चाहूंगा। विभिन्न समाचार पत्रों और टीवी चैनलों के माध्यम से उनकी व्यथा कई बार देखने और सुनने को मिली है। समाचार पत्रों के माध्यम से यह भी संज्ञान में आया है कि युद्ध के दौरान उनके पैर में लगी गोली अभी तक फंसी हुई है और उनका उचित इलाज भी नहीं हो रहा है। वे डंडे के सहारे चलते-फिरते हैं। महोदय, समाचार पत्रों में तो यहां तक छपा है कि वे जीविकोपार्जन के लिए जूस की दुकान पर जूठे बर्तन और गिलास साफ करते हैं। यह बहुत ही शर्मसार करने वाली बात है। सभापति जी, मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि कारगिल जैसे युद्ध में फतह दिलवाने वाले ऐसे वीरों के परिवारों के जीवन-यापन की जिम्मेदारी सरकार ले और उसके लिए किए गए वायदों को जल्द-से-जल्द पूरा करे। कारगिल युद्ध समाप्त होने के बाद सरकार की ओर से सभी घायलों को पेट्रोल पम्प एवं ज़मीन देने की बात कही गई थी। कुछ लोगों को ये मिले भी, लेकिन आज कारगिल युद्ध को 19 साल हो चुके हैं, परन्तु लांस नायक सतबीर सिंह अभी तक उससे वंचित हैं और जीवन-यापन के लिए दर-दर की ठोकरें खाते हुए, दुकानों पर झूठे बरतन साफ करने के लिए मजबूर हैं।

महोदय, मेरा सरकार से निवेदन है कि लांस नायक सतबीर सिंह की व्यथा का सरकार तत्काल संज्ञान ले और उनसे किए गए वायदों और घोषणाओं को जल्द-से-जल्द पूरा कराए, ताकि देश के जवानों का मनोबल हमेशा बना रहे, धन्यवाद।

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRIMATI NIRMALA SITHARAMAN): Sir, I would very quickly like to respond to that.

MR. CHAIRMAN: Okay.

SHRIMATI NIRMALA SITHARAMAN: Sir, I quite understand the concern expressed by the hon. Member. But, I may have to put it on record that I do not know the cause for the newspaper article on this person washing dishes. But every due that had to be paid to him — unfortunately he was injured and then boarded out — has been given to him. In respect of every other further requirement that he may have, we are quite willing; but as per rules, what had to be given to him has been given. So, I would like to put this on record.

MR. CHAIRMAN: All right. Please be liberal. That is what he requested for. You have done your duty, but be liberal if at all something more can be done. Now, Shrimati Jharna Das Baidya.

Attacks and murders of Indian journalists

श्रीमती झरना दास बैद्य (त्रिपुरा)**:** थैंक यू, सर, मैं आपके माध्यम से, भारतीय पत्रकारों के ऊपर जो हमले हुए हैं, उसके बारे में बोलना चाहती हूं।

[श्रीमती झरना दास बैद्य]

सर, 2018 में पांच पत्रकारों की हत्या हुई। कश्मीर में शुजात बुखारी को उनके ऑफिस के सामने गोली मार दी गई, गौरी लंकेश को उनके घर के सामने गोली मार दी गई और ऐसे ही, पंजाब में एक सीनियर जर्नलिस्ट की हत्या कर दी गई। त्रिपुरा में दो जर्नलिस्ट्स की हत्या की गई, एक तो दिन-रात टीवी चैनल के 22 बरस के पत्रकार के ऊपर हमला किया गया और उनकी हत्या कर दी गई। उनको बहुत बेदर्दी से मारा गया। त्रिपुरा के लिए सुदीप दत्ता भौमिक की भी गोली मार कर हत्या कर दी गई। इस तरह बहुत सारे पत्रकारों के ऊपर हमला हो रहा है। जो भी पत्रकार भ्रष्टाचार, वॉयलेशंस और दुर्नीति के बारे में बोलता है, उसके ऊपर हमला होता है। ऐसा क्यों होता है? पत्रकार के पास स्वाधीनता है, वह बोल सकता है, लेकिन सत्य बोलने के कारण उसके ऊपर हमला हो जाएगा, तब इस काम को कौन करेगा और कौन सत्य लिखेगा? गौरी लंकेश ने, जो पिछले चीफ मिनिस्टर थे, उनके बारे में कुछ लिखा था और उसके लिए उनकी हत्या कर दी गई।

श्री सभापतिः आपको क्या कहना है, वह बताइए।

श्रीमती झरना दास बैद्यः सर, हमारी स्टेट में Daily Desher Katha की 52,000 प्रतियां चलती थीं, लेकिन 2018 के चुनाव के बाद उनकी संख्या घट कर 6000 पर आ गई, क्योंकि उसके जो रिपोर्टर हैं, जो पत्रकार हैं, उनको धमकी दी जा रही है कि उनका खून कर देंगे और वे इस अखबार को चला नहीं सकते, लोगों को नहीं दे सकते।

महोदय, मैं सरकार से निवेदनपूर्वक पूछना चाहती हूं कि पत्रकारों को बचाने के लिए वह क्या ठोस कदम उठा रही है, जिससे वे स्वतंत्रता के साथ अपने मत को अभिव्यक्त कर सकें?

MR. CHAIRMAN: Shri Derek O'Brien to associate.

SHRI DEREK O'BRIEN: Sir, only one line.

MR. CHAIRMAN: Okay.

SHRI DEREK O'BRIEN (West Bengal): Sir, Jharnadi raised a very important issue. If journalists, once they express themselves freely, are going to be put under pressure that they will lose their jobs, it is not good. Journalists have to be allowed to be free because if they do not express themselves like what is happening today in a major group, someone does a story which someone does not like, next day they have to leave.

SHRI VIVEK K TANKHA (Madhya Pradesh): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI RAJ BABBAR (Uttarakhand): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI P. L. PUNIA (Uttar Pradesh): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI HUSAIN DALWAI (Maharashtra): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

PROF. MANOJ KUMAR JHA (Bihar): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI TIRUCHI SIVA (Tamil Nadu): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRIMATI SAROJINI HEMBRAM (Odisha): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI AHAMED HASSAN (West Bengal): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI MANAS RANJAN BHUNIA (West Bengal): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI RITABRATA BANERJEE (West Bengal): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SOME HON. MEMBERS: Sir, we too associate ourselves with the matter raised by the hon. Member.

MR. CHAIRMAN: Right, thank you. ...*(Interruptions)*... It applies to all States and also to the country as a whole. Shri Rakesh Sinha, not present. ...*(Interruptions)*...

SHRIMATI ROOPA GANGULY: Sir, Bengal too. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: All the States, Madam. ...*(Interruptions)*...

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विजय गोयल): केस तो investigation में था।

MR. CHAIRMAN: Shri Motilal Vora, not present. Dr. Santanu Sen.

Need for One Company-One-Drug-One Price policy in the country

DR. SANTANU SEN (West Bengal): Sir, I would like to remind this August House what Mr. Winston Churchill said in 1945 while making comments on the Indian Independence Bill. He said that to those whom you are going to give freedom, they do not have even a notion of the term nation. They will tear this freedom into pieces at the first available opportunity because of predominant incivility.